संक्षिप्त

दस खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट की उपाधि

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की कराटे प्रतिभाओं के लिए वार्षिक ब्लैक एवं कलर बेल्ट समान समारोह में आयोजित हुआ। जिसमें दस प्रतिभाओं को ब्लैक बेल्ट की उपाधि व 150 खिलाड़ियों को कलर बेल्ट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में 31 राष्ट्रीय खिलाड़ियों को ' द जील उत्कृष्ट बालक–बालिका पुरस्कार' से भी नवाजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सेंसई प्रफुल्ल सावरिया ने बताया कि सम्मान समारोह राजस्थान साहित्य अकादमी ऑडिटोरियम से. 4 में आयोजित हुआ।

अवकाश पर काम नहीं करने की मांग

कपासन, (निसं)। राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक, पटवारी एवं ग्राम विकास अधिकारी संयुक्त समन्वय समिति की उपशाखा ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। इसमें राजकीय अवकाश के दिनों में कार्य न करने की मांग की गई है।समिति ने ज्ञापन में बताया कि राज्य सरकार ने 2008 से कर्मचारियों की कार्यक्षमता सुधारने के लिए प्रतिदिन कार्य के घंटे बढ़ाकर सप्ताह में कार्य दिवसों को 6 से घटाकर 5 दिन किया था। यह निर्णय मनोवैज्ञानिक शोधों और कार्मिकों को शारीरिक व मानसिक विश्राम देने के उद्देश्य से लिया गया था, जिससे उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि हुई थी।हालांकि, समिति के अनुसार, पिछले तीन सालों से राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और कैंपों के संबंध में उच्चाधिकारियों द्वारा केवल अवकाश के दिनों में ही कार्य करने के आदेश दिए जा रहे हैं।

समीक्षात्मक बैठक 19 जून को

डूंगरपुर, (निसं)। ग्रमीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाएं महात्मा गांधी नरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण सांसद, विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना महात्मा गांधी जनभागीदारी विकास योजना, पन्द्रहवॉ वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग–षष्ठम, आंगनवाडी केन्द्र भवन, अम्बेडकर भवन एवं स्वामित्व योजना आदि की समीक्षात्मक बैठक 19 जून को आयोजित होगी।

रैली निकाली

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में डीएनटी विमुक्त घुमंतू और अर्ध–घुमंतू समुदाय ने 10 प्रतिशत अलग से आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय पशुपालक संघ और डीएनटी संघर्ष समिति के तत्वावधान में शहर में रैली निकाली गई और कलेक्ट्रेट पर सांकेतिक गिरफ्तारियां दी गईं।

समुदाय के सदस्य शहर की वागड गांधी वाटिका पर एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। यह प्रदर्शन प्रदेशभर में चलाए जा रहे जेल भरो आंदोलन का हिस्सा है, जो अब वागड क्षेत्र में भी पहुंच गया है। राष्ट्रीय पशुपालक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी राईका के नेतृत्व में यह आंदोलन चलाया जा रहा है। डीएनटी समुदाय ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। डीएनटी समुदाय ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। लालजी राईका ने बताया कि 5 दिसंबर 2025 को सरकार के समक्ष इन मांगों को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई थी।

अनियमित जलापूर्ति को लेकर महिलाओं का फूटा गुस्सा

- अनियमित जलापूर्ति से नाराज़ महिलाएं पहुंचीं जलदाय विभाग,खाली मटके सौंप किया प्रदर्शन
- महिलाओं का आरोप है कि उनके इलाके में बहुत कम प्रेशर से पानी सप्लाई किया जा रहा है। कई गलियों में तो मात्र 10 मिनट ही नल चलते हैं

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरण मगरी सेक्टर.5 में पीने के पानी को लेकर गंभीर संकट खड़ा हो गया। जल संकट को लेकर गुरुवार को इलाके की महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं खाली मटके लेकर स्थानीय लोगों के साथ जलदाय विभाग के ऑफिस पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाएं ऑफिस के अंदर ही नारेबाजी करने लगी।

बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय नागरिक जलदाय विभाग के सेक्टर.4 स्थित कार्यालय पहुंचे और विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में कम दबाव से जलापूर्ति की जा रही है तथा कई इलाकों में मात्र 10 मिनट तक ही पानी की सप्लाई हो रही है। इससे घरों में दैनिक जरूरतों के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। महिलाओं ने बताया कि उन्हें पानी भरने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है, जिससे घरेलू कार्यों के साथ.साथ बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल भी प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता का घेराव किया और प्रतीकात्मक विरोध स्वरूप खाली मटके भेंट कर अपनी नाराजगी जताई।

प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि उनके इलाके में बहुत कम प्रेशर से पानी सप्लाई किया जा रहा है। कई गलियों में तो मात्र 10 मिनट ही नल चलते हैं। इतनी कम देर पानी आने से घरों में रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी पूरा नहीं पड़ रहा है।महिलाओं ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि पानी भरने के चक्कर में उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। दफ्तर के घेराव के दौरान महिलाओं ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता; असिस्टेंट इंजीनियरद्ध को घेर लिया। महिलाओं ने अपना विरोध दर्ज कराने के अनोखे तरीके के तहत अधिकारी को खाली मटके भेंट किए। इसके बाद क्षेत्रवासियों ने अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की कि इलाके में नियमित और पर्याप्त पानी की सप्लाई तुरंत शुरू की जाए।

इस मौके पर किसान नेता विष्णु पटेल ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से पानी की इस भारी समस्या से जूझ रही है,लेकिन जलदाय विभाग के अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।पटेल ने साफ चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिला और समस्या का पक्का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में क्षेत्रवासी बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इस प्रदर्शन के दौरान किसान नेता विष्णु पटेल के साथ ही मनोज बंसल, देवेंद्र माली, राज लुज,भंवरलाल,वंदना राठौड़, मंजू ककड़, सोनिया टेलर, साना, कृष्णा, कविता सहित बड़ी संख्या में इलाके की महिलाएं और जागरूक नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में प्रशासन से जल्द राहत देने की गुहार लगाई है।

कुएं में मिले शव के मामले का खुलासा, तीन पकड़े

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी थाना पुलिस ने चिखली तेजा गांव में कुएं में मिले शव के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी कपिल पाटीदार ने बताया कि 30 मई को चिकली तेजा गांव के कुएं में एक शव मिला था जिसे ग्रामीणों की सहायता से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान हर्षद पुत्र नगीन आमलियार निवासी बार सालेड़ा थाना फतेहपुरा जिला दाहोद गुजरात के रूप में हुई।

मौके पर परिजन आये और हत्या कर शव कुएं में डालने की रिपोर्ट दी जिस पर एफएसएल टीम मौके पर पहुंची एवं आवश्यक सूचनाएं संकलित किये गये। मृतक के भाई ने रिपोर्ट में बताया कि मृतक हर्षद गांव के रहने वाले कैलाश गरासिया के साथ घर से निकला था और चिकली तेजा में गांव के हुरजी, ईटली, चंदु व कालु के साथ शराब पी रहा था और नोतरे के कार्यक्रम में घुम रहा था। इस पर पुलिस ने इन लोगों से पूछताछ की तो पहले तो वे टालमटोल जवाब देते रहे लेकिन इनकी प्रतिक्रिया संदिग्ध लगने एवं घटना में शरीक होने की शंका होने से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गयी वहीं विस्तृत अनुसंधान किया तो पता चला कि हर्षद का प्रेम प्रसंग ढढेली की औरत से था। उक्त महिला भी चिखली तेजा में रिश्ते में नोतरा होने से परिजनों के साथ आयी थी उसे को मिले हर्षद, कैलाश को लेकर आया था। यहां पर पूर्व में ही इनकी पहचान कालु, चंदु, ईटली व हुरजी से होने के कारण इन लोगों ने पुरी रात शराब पी।

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR-313039
Estate Office E-Tender Notice-05
No. EO/MLSU/S-Tender/2026-27/149 Dated-03/06/2026
NIB CODE: SUU2627A0007 UBN No: SUU2627WSOB00014 & 00017
Bid for **Miscellaneous work at M.L.S.U.** are invited from interested bidders upto at **5:00 P.M. on 10/06/2026.** Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (http://www.sppp.raj.nic.in) of the state and www.mlsu.ac.in departmental website.
EXECUTIVE ENGINEER

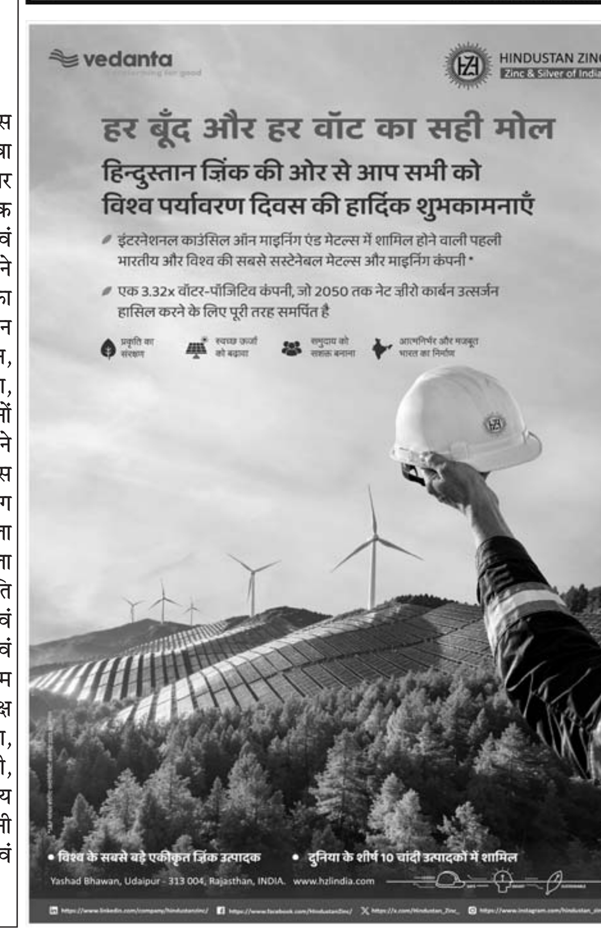

डूंगरपुर बना पर्यावरण और जल संरक्षण का आदर्श मॉडल

डूंगरपुर,(निसं)। दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी अंचल के ऐतिहासिक शहर डूंगरपुर, ने जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। कभी गर्मी के मौसम में जल संकट, सूखे जलस्त्रोतों और भूजल स्तर में गिरावट से जूझने वाले इस अंचल ने आज सामुदायिक भागीदारी और जनजागरण के बल पर एक नई मिसाल की है। डूंगरपुर का यह परिवर्तन केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजस्थान में स्वच्छ भारत (शहरी) के ब्राण्ड एम्बेसेडर और डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व सभापति के.के. गुप्ता का विशेष रूप से उल्लेखनीय योगदान रहा है।

के के गुप्ता ने अपने नगर परिषद अध्यक्षीय कार्यकाल में वर्षा जल संचयन में नवाचार कर कम लागत वाला 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' मॉडल तैयार करने में सफलता हासिल की। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर में एक अभिनव वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित की गई, जिसमें छतों से एकत्रित वर्षा जल को सीधे घरों के मौजूदा बोरवेल में भेजा गया जिससे वे रिचार्ज हुए तथा भूमिगत जल में भी वृद्धि हुई। डूंगरपुर के इस जल संरक्षण मॉडल की गूंज लोकसभा में भी हुई। जल संरक्षण की इस प्रणाली में पाइप के भीतर ही रेत फिल्टर और बैकवॉश की सुविधा शामिल की गई, जिससे जल शुद्धिकरण सुनिश्चित हुआ। इस प्रणाली की लागत मात्र ? 16,000 आई, जबकि पारंपरिक प्रणालियों की लागत ? 50,000 से ?1,00,000 तक होती है।

डूंगरपुर नगर परिषद् ने इस प्रणाली को अपनाने वाले घरों को 50 प्रतिशत तक सब्सिडी भी प्रदान की, जिससे इसकी प्रभावी लागत ?8,000 प्रति घर ही आई। डूंगरपुर के इस मॉडल की सफलता को देखते हुए,तत्कालीन केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इसकी न केवल भूरी–भूरी प्रशंसा की वरन् अन्य राज्य सरकारों को भी इस मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया। इससे प्रेरित होकर दिल्ली सरकार के मन्त्री और अधिकारियों के दल ने डूंगरपुर नगर का दौरा किया और डूंगरपुर मॉडल को अपने प्रदेश में भी लागू करने का निर्णय लिया।

गुप्ता के गंभीर प्रयासों से डूंगरपुर नगर के पारंपरिक जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार कराया गया। डूंगरपुर नगर के पुराने तालाबों, बावडि़यों और जल स्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण का कार्य किया गया, जिससे वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में वृद्धि संभव हुई। नगर के तालाबों और बावडि़यों का जीर्णोद्धार कराने में स्थानीय प्रशासन , नागरिकों और समुदायों ने सक्रिय सहयोग किया। सामुदायिक तालाबों का निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित होने से शहर के साथ ही निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में भी जल संकट को कम करने में मदद मिली । उन्होंने ई–कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट नियंत्रण, और कचरा प्रबंधन के लिए जागरूकता अभियान चला कर पर्यावरण संरक्षण में अभूतपूर्व योगदान किया।

के.के. गुप्ता ने अपने सार्वजनिक जीवन में पर्यावरण संरक्षण को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया। उनका मानना रहा कि जल और पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इसी सोच के साथ उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों को जोड़कर जल बचाओ तथा वृक्ष लगाओ जैसे कार्यक्रमों को गति प्रदान की।

गुप्ता के इन सराहनीय प्रयासों से उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले है। के के गुप्ता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश के राष्ट्रपति और केन्द्रीय मन्त्रियों तथा प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के हाथों कई पुरस्कार और सम्मान मिले है।

बाल संस्कार शिविर लगाया

बांसवाड़ा, (निसं)। भारत विकास परिषद, माही शाखा ने अंकलेश्वर सेवा बस्ती के बच्चों के मध्य बाल संस्कार शिविर लगाया। शिविर में कक्षा छठी तक के बच्चों को नैतिक, सांस्कृतिक एवं जीवनोपयोगी मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को गुरुजनों एवं बड़ों के सम्मान, अनुशासन, स्वच्छता, राष्ट्रप्रेम, योग, प्रेरक प्रसंग, कविताओं, गीतों एवं भजनों के माध्यम से उत्तम संस्कार प्रदान करने का प्रयास किया गया। भारत विकास परिषद के महिला सहभागिता विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में सह जिला समन्वयक भुवनेश्वरी मालोत, महिला सहभागिता संयोजक बबीता गुप्ता, प्रीति जैन, सरोज शाह, सारिका मालोत एवं माया सेन ने बच्चों को प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर शाखा अध्यक्ष हरिश्चंद्र कलाल, कोषाध्यक्ष अनंत गुप्ता, राजेंद्र सेन, सुबोध मालोत, विपुल दोषी, सुमित तलवाड़िया सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। बच्चों को उपहार स्वरूप पानी की केटल, स्टेशनरी सामग्री, वस्त्र एवं अल्पाहार प्रदान किया गया।